B.A part I (H & subsid) Philosophy

डा० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. भगवान बुद्ध द्वारा कार्य-कारण शृंखला या भव चक्र को प्रतीत्यसमुत्पाद चक्र में कितनी कड़ियों का वर्णन किया गया है?

Ans. बारह

2. बौद्ध-दर्शन में अष्टांगिक मार्ग के प्रधान अंग कौन है?

Ans. शील, समाधि, प्रज्ञा

3. बाल गंगाधर तिलक ने गीता को क्या कहा है?

Ans. कर्मयोग प्रधान ग्रंथ

4. कर्मयोगी को कैसा कर्म करना चाहिए?

Ans. निष्काम कर्म

5. शंकराचार्य ने गीता को क्या माना है?

Ans. ज्ञान योग प्रधान ग्रंथ

6. गीता के अनुसार समत्व-योग के कौन रूप हैं?

Ans. आत्मतुल्य समत्व

7. सेवा के द्वारा परमात्मा से संबंध जोड़ना कहलाता है -

Ans. भक्तियोग

8. रामानुज गीता को कैसा ग्रन्थ मानते हैं?

Ans. भक्तियोग प्रधान ग्रंथ

9. रामानुज के अनुसार भक्त ईश्वर की आराधना किस भाव से करता है?

Ans. दैन

10. भक्तियोग की इनमें क्या विशेषता है?

Ans. आत्मसमर्पण

11. भगवान बुद्ध के चार आर्य सत्यों में कौन शाश्वत नहीं है?

Ans. दुःख नहीं है।